ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Dorathy S. Thomas

VOL. XXVI | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2021 FEBRUARY | No. 4

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें

परमेश्वर की स्तुति हो

यशायाह ३७:१-१०

१ कुकर्मियों के कारण मत कुढ़ कुटिल काम
करनेवालों के विषय डाह न कर!
२ क्योंकि वे घास की नाईं झट कट जाएंगे, और
हरी घास की नाईं मुर्झा जाएंगे।
३ यहोवा पर भरोसा रख, और भला कर; देश
में बसा रह, और सच्चाई में मन लगाए रह।
४ यहोवा को अपने सुख का मूल जान, और
वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा।
५ अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर छोड़; और
उस पर भरोसा रख, वही पूरा करेगा।
६ और वह तेरा धर्म ज्योति की नाईं, और तेरा
न्याय दोपहर के उजियाले की नाईं प्रगट
करेगा।
७ यहोवा के सामने चुपचाप रह, और धीरज से
उसका आसरा रख; उस मनुष्य के कारण न
कुढ़, जिसके काम सुफल होते हैं, और वह
बुरी युक्तियों को निकालता है!
८ क्रोध से परे रह, और जलजलाहट को छोड़
दे! मत कुढ़, उस से बुराई ही निकलेगी।
९ क्योंकि कुकर्मी लोग काट डाले जाएंगे; और
जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वही पृथ्वी के
अधिकारी होंगे।
१० थोड़े दिन के बीतने पर दुष्ट रहेगा ही नहीं;
और तू उसके स्थान को भली भांति देखने पर
भी उसको न पाएगा।

परमेश्वर के बच्चों की मीरास

(मुख्य गिरजाघर में पास्टर एस सैम सेल्वराज द्वारा दिया गया संदेश)

"हे इस्राएल तेरा रचनेवाला, और हे याकूब, तेरा सृजनहार यहोवा अब यों कहता है, मत डर, क्योंकि मैंने तुझे छुड़ा लिया है; मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है (यशायाह ४३:१)।

हम यहां पर परमेश्वर की अद्‌भुत प्रतिज्ञा देखते हैं। यह संसार के सारे लोगों के लिए नहीं है। परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाएं, जिन्हें हम बाइबल में पाते हैं उसके बच्चों के लिए हैं। और निश्चित रूप से कहा जाए, तो यह प्रतिज्ञा उन लोगों के लिए है जिन्होंने प्रभु यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण किया है और जो पवित्र जीवन जीते हैं और उसकी आज्ञाओं के पीछे चलते हैं और जो लोग उनके मन के नवीकरण द्वारा परिवर्तन का अनुभव कर रहे हैं (रोमियो १२:२)।

कोई व्यक्ति समाज में प्रभावशाली है या राजनीतिक नेता है, इसका अर्थ यह नहीं है कि आशीषें उन्हीं लोगों तक पहुंचती हैं। जैसा कि ऊपर कहा गया है ये आशीषें उन्हीं लोगों को प्राप्त होती हैं जो उनके मनों के नवीनीकरण के द्वारा परिवर्तित हुए हैं। ऐसे लोगों के हृदय ईर्ष्या और बुरे विचारों से मुक्त हैं और उनके विचार स्पष्ट हैं। मन का नवीनीकरण पाने के लिए, यीशु के सिवा दूसरा कोई मार्ग नहीं है। जिस तरह से यीशु मसीह व्यक्ति को बदलता है वह अद्‌भुत है। अन्य कोई भी सांसारिक वस्तुओं या संपत्ति या ख्याति या संसार में पाई जाने वाली और कोई सामर्थ मनुष्य में इस प्रकार का बदलाव नहीं ला सकती। यीशु पर विश्वास करें और बदलते जाएं! जो लोग आपको देखते हैं वे आप पर भरोसा करेंगे। जो आपको देखते हैं वे आपसे प्रेम करेंगे।

मेरे पासवान जी सुंदरम ने एक बार एक घटना के बारे में बताया। एक परिवार में एक बेटे ने अपने माता-पिता से दूर चले जाने की कोशिश की, क्योंकि उस पर उसके बुरे मित्रों का प्रभाव था। भले ही उसके माता-पिता ने उसे ऐसा न करने की सलाह दी, फिर भी उसने उनकी नहीं सुनी। उसकी मां ने उससे बहुत विनती की, परंतु उसने उसकी भी नहीं सुनी। अंत में, उसकी मां ने उसे कहा, "बेटा, मैं तेरी शर्ट पर कुछ शब्द सिल देती हूं। सभी परिस्थितियों में इस शर्ट को पहना करना।" उसने उस पर सिल दिया, "मेरा खून राजघराने का है।" उसने वह शर्ट पहन ली। जैसा कि हम बाइबल में उड़ाऊ पुत्र के बारे में पढ़ते हैं, इस लड़के ने भी अपना सारा पैसा खर्च कर दिया। उसने अपना स्वास्थ्य भी खो दिया और अब वह मरने पर था। उस समय उसकी शर्ट पर

...क्रमशः पृष्ठ ३...

Touching Lives By Teaching... Since 1969

बुलावे की प्रतिध्वनि - २०१९ गोल्डन जुबिली साल

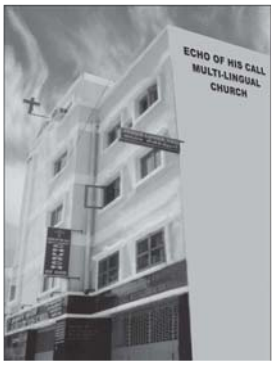

"युद्ध के दिन के लिये घोड़ा तैयार तो होता है, परन्तु जय यहोवा ही से मिलती है।" (नीतिवचन २१:३१)

from Editors...

मसीह यीशु में प्रिय मित्र,

हमारी प्रभु और उद्धार करते यीशु मसीह के नाम में हम आपका अभिवादन करते हैं!

आप कैसे हैं? जब हम आपके बारे में सोचते हैं और यह सोचते हैं कि परमेश्वर ने किस अद्भुत रीति से हमें स्वर्गीय प्रेम में जोड़ा है, तब हम आनंद से भर जाते हैं। जी हां, हमारा रिश्ता संसार का नहीं परंतु अनंत काल का है। आपको यह सुनकर आश्चर्य होगा कि के अनुग्रह के सिंहासन के सामने हम आपको और आपके प्रिय जनों को कभी नहीं भूलते। परमेश्वर अवश्य आपको आशीष देगा और आपके जीवन के हर क्षेत्र में आपकी रक्षा करेगा। वह आपके और आपके प्रिय जनों के तथा आपकी वस्तुओं के चारों ओर एक बाड़ा बनाएगा। प्रभु परमेश्वर आपको न तो भूलेगा और न त्यागे का। हमारा प्रभु यीशु मसीह कहता है, "मैं तेरे साथ अपनी वाचा स्थिर करूंगा, और तब तू जान लेगी कि मैं यहोवा हूं"(यहेजकेल १६:६२)।

लोगों ने जो हानि उठाई है उसके बारे में हमें समस्त संसार के विभिन्न भागों से समाचार मिल रहा है। परंतु प्रभु परमेश्वर इस संक्रमण के समय में भी हमारी रक्षा कर रहा है। इसलिए हमें उस का धन्यवाद करना चाहिए।

हमारे मिशन क्षेत्र में हम अपनी कलीसिया ओं का और उनके सदस्यों का, एक अह्फिस कह्ल प्रकाशनों का, सेंट पह्ल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल का, नहेमायाह बाइबल कह्लेजेस का, बाइबल कोर पत्राचार पाठ्यक्रमों का, प्रशासन तथा अर्थव्यवस्था आदि का ध्यान रखने में व्यस्त है। विभिन्न अवर्णनीय प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, हम हमारी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में परमेश्वर के हाथ को कार्य करते हुए देख सकते हैं। हम देख सकते हैं कि डर और जीवन में असुरक्षा के कारण संसार के सामान्य लोगों की मानसिकता पर संक्रामक रोग का असर हुआ है। आर्थिक क्षेत्र में हम बड़ी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। परंतु सबसे अधिक हमारे पास हमारे जी भी तो धार करता कि एक अटूट प्रतिज्ञा है कि "और हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं; अर्थात् उन्हीं के लिए जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं"(रोमियो ८:२८)।

यदि आप भी किसी प्रकार के क्ले से होकर गुजर रहे हैं, तो कृपया जान लीजिए कि हमारा प्रभु यीशु मसीह आपकी सारी परिस्थितियों में आपके साथ हैं।

हमारी कलीसिया के क्रियाकलाप और अन्य कार्यक्रम अच्छी तरह से चल रहे हैं। आपकी प्रार्थना ओं के लिए और सहायता के लिए धन्यवाद। परमेश्वर आपको आशीष दे!

आपका सेवक,
पास्टर सैम और सैमसन

...पृष्ठ १ से आगे...

सिले हुए शब्द उससे बात करने लगे। "मेरा खून राजघराने का है" इन शब्दों ने उसके हृदय को गहराई से छू लिया। बाद में वह अपने आपें में आया और सोचने लगा कि उसे इस प्रकार गंदा जीवन क्यों

CHIEF EDITORS
Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th.,M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M. Phil., B.Ed.

Hd. Qrs. CO-ORDINATORS
Bro. John Rodrigues
Sis. E. Daisy Rani

ADVISORY BOARD
Adv. Jose Abraham
Adv. N. Balaji, B.Com., B.L.
Dr. S. Rabinder Boaz, M.S.
Er. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM)
Aud. K. Puratchivendan, M.Com., B.L

PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street
Chepauk, Chennai- 600 005, India.

Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858
E-mail : sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

Websites :
www.echoofhiscall.org
www.echoofhiscall.com

बिताना चाहिए। वह अपने माता-पिता की खोज में बाहर निकला। उसे देखने पर उसके माता-पिता ने उसे बड़े प्यार से गले लगाया और वह अपने परिवार में शामिल हो गया।

जब एज्रा बेबीलोन से यरूशलेम को आया तब उसने इस्राएलियों की दशा को देखा। उसने देखा कि पवित्र बीज देश के लोगों के साथ मिल गया है (एज्रा ९:२)।

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, आप भी शायद यह बात भूल गए होंगे कि आप स्वर्गीय पिता की संतान हैं और आप गंदे पाप में जीवन बिता रहे हैं। आप गुप्त रूप से कुछ पापों को कर रहे होंगे। अब आप इस कलीसिया में क्यों है? परमेश्वर कहता है, "जब तुम माता के गर्भ ही में थे, तब से मैं तुम्हें जानता हूं और तुम्हें इस कलीसिया में आना चाहिए।"

जी हां प्रियों, इस जगत की उत्पत्ति से पहले ही हमारे प्रभु परमेश्वर ने आपको चुना है। इसलिए अपने आप को कुछ न समझें। आप विशेष हैं। दाऊद के समान आप भी परमेश्वर से कह सकते हैं, "आप मेरा भाग हैं" (भजन ११९:५७)। इसलिए परमेश्वर भी आपकी ओर देख कर कहता है, "तुम मेरे हो।" संसार आपके साथ बुरा व्यवहार कर सकता है, वह आपको हानि पहुंचा सकता है। परंतु आपको बुलाने वाला प्रभु विश्वासयोग्य है। वह भला परमेश्वर है और वह विश्वासयोग्य है!

उस प्रभु परमेश्वर ने आपको नाम लेकर बुलाया है जिसने संसार को उत्पन्न किया। आपके माता पिता ने आपका नाम रखा होगा। परंतु जब आप आपके माता के गर्भ में थे तब प्रभु परमेश्वर ने जिसने आप को चुना, आपको यह नाम दिया। एक बार मैंने अपनी मां से पूछा, "तुमने मेरा नाम सैम सेल्व राज क्यों रखा?" उसने कहा कि मैं परिवार की संपत्ति हूं!

जी हां, शमुएल एक एक महान भविष्यवक्ता था। 'सेल्व राज' का अर्थ है सारी संपत्ति का राजा। मैं खुश हो गया कि उन्होंने मुझे इतना अच्छा नाम दिया। एक वृद्ध प्रचारक ने कहा, "जब हम माता के गर्भ में थे तब हमारे प्रभु परमेश्वर ने हम में से प्रत्येक को नाम दिया।" इसलिए मैं समझता हूं कि मेरे प्रभु परमेश्वर ने ही मुझे सैम सेल्व राज नाम दिया। प्रभु परमेश्वर ने आपको भी नाम दिया है।

प्रभु के स्वर्गदूत ने यूसुफ को दर्शन दिया और कहा, "वह पुत्र को जन्म देगी और तू उसका नाम यीषु रखना; क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।" (मत्ती १:२१)। यीशु नाम का अर्थ है "वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।"

हम लूका १:१३ में भी यह देखते हैं कि स्वर्गदूत ने जकर्याह को दर्शन दिया और उससे कहा कि वह अपने पुत्र का नाम 'यूहन्ना' रखे।

इसलिए आप माता-पिता जब अपने बच्चों का नाम रखते हैं तब प्रभु से प्रेरणा प्राप्त करें। वह आपके मन से बात करेगा! आपके बच्चों के नाम स्वर्गीय पुस्तक में लिखे गए हैं!

एक दिन आएगा जब प्रभु परमेश्वर हम में से हर एक को नाम लेकर बुलाएगा। हर एक का नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखा गया है। आप विशेष हैं। प्रभु आप से कहता है, "जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग संग रहूंगा और जब तू नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आंच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी" (यशायाह ४३:२)। जी हां, कठिनाइयां, मुश्किलें और दुख कभी आपको हानि नहीं पहुंचा सकते। आप सोच सकते हैं, "मैं मुश्किल समय में जी रहा हूं और मैं इस भयानक बीमारी से पीड़ित हूं।" जिस प्रभु ने आपको बुलाया है वह कहता है, "मैं तेरे साथ रहूंगा।"

अन्य लोगों के समान सुनें, आपको भी जल और नदियों में से होकर जाना होगा। आपको आग में से होकर जाना पड़ेगा। परंतु परमेश्वर आपको उनसे हानि नहीं होने देगा।

आगे हम यशायाह ४३:३ में पढ़ते हैं, "क्योंकि मैं यहोवा तेरा परमेश्वर हूं, इस्राएल का पवित्र मैं तेरा उद्धारकर्त्ता हूं। तेरी छुड़ौती में मैं मिस्र को और तेरी सन्ती कूश और सबा को देता हूं" हम परमेश्वर के बच्चे हैं और हम कभी हानि में नहीं जिएंगे। हम कर्ज़ में नहीं डूबेंगे। हम गिरजाघर क्यों आते हैं? परमेश्वर को भेट देने का, प्रार्थनाएं और उपवास का क्या उद्देश्य है? ये सारी बातें आपको परमेश्वर के निकट लाएगी! सारी संपत्ति और आराम उन लोगों को प्राप्त होता है जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं। हम मत्ती ६:३३ में पढ़ते हैं, "इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और ध र्म की खोज करो, तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जायेगी"

भले ही मेरा आरंभ साधारण था, फिर भी परमेश्वर ने मुझे इस प्रकार अब आशीष दी है। उसने हमें पहले से ठहराया है, हमारे नाम से हमें पुकारा है। यदि हम उसे दृढ़ता से थामें रहते हैं, तो वह हमें छुटकारे के दाम के रूप में मिस्र और सबा देगा!

हमने कई लोगों का दुखद अंत देखा है। हालांकि वे बहुत लोकप्रिय व्यक्ति और धनवान थे, फिर भी उनका अंत त्रासदीपूर्ण हुआ क्योंकि वे परमेश्वर के बिना जीवन बिता रहे थे। परमेश्वर हमारी ओर फिर कर कहता है, (यशायाह ४३:४)। तुम मेरी दृष्टि में अनमोल और प्रतिष्ठित थे!

प्रिय भाई बहन, आप कोई भी हो सकते हैं। परमेश्वर जो जीवित है वह कहता है, "अपनी वर्तमान मुश्किल परिस्थिति के बारे में चिंता न करें। शायद आप किसी परेशानी में होंगे, या कर्ज़ में या किसी रोग से पीड़ित होंगे, या किसी प्रकार की पीड़ा में जीवन बिता रहे होंगे, या आप भूखे हैं और कल की समस्याओं के बारे में सोच कर आपको नींद नहीं आती। परंतु प्रभु कहता है, तुम मेरी दृष्टि में अनमोल

एको ऑफ हिज कॉल सेवकाइयों *को* ***एको अहफ हिज कॉल*** *मासिक पत्रिकाओं के पाठकों द्वारा प्राप्त शुल्क तथा आपके जैसे प्रिय मित्रों के स्वेच्छाद्वानों द्वारा आर्थिक सहायता प्रदन की जाती है। परमेश्वर हर्ष देने वालों से प्रेम करता है (२ कुरिन्थियों ९:७)। हर तरह से - हर कीमत पर - किसी भी तरह से - हर प्रकार से - समान कुछ (१ कुरिन्थियों ९:२२) (एवी)।* *- संपादक*

और इसलिए प्रतिष्ठित हो और मैं तुमसे प्रेम करता हूं। इसलिए मैं तुम्हारे जीवन के लिए तुम्हें मनुष्यों को और लोगों को दूंगा। परमेश्वर के प्रिय बच्चे, संसार आपको कर्ज़ से दबे, निम्न, बीमार, या अशिक्षित के रूप में देखने न पाए। परंतु परमेश्वर आपसे कहता है, क्योंकि तुम मेरी दृष्टि में अनमोल थे, इसलिए प्रतिष्ठत हो।

बस का कंडक्टर आपको एक सामान्य यात्री के रूप में देख सकता है! आपका डॉक्टर आपको रोगी के रूप में देख सकता है!! परंतु प्रभु यीशु कहता है, "तू मेरा अनमोल बेटा है, तू मेरी अनमोल बेटी है।"

इसी समय अपने आपको परमेश्वर के हाथों में सौंप दो। हमारा प्रभु परमेश्वर आपको शुद्ध सोने में बदल देगा। कुछ लोग केवल तब समर्पण करते हैं जब वह अपना सारा भौतिक बल खो बैठते हैं। वे अपने अनमोल वर्ष खो देते हैं। जब आप स्वस्थ और ताकतवर होते हैं, तब आप परमेश्वर के राज्य की खोज करें। जिस भूमि पर आप कदम रखेंगे वह आपकी हो जाएगी। नीतिवचन २८:२० कहता है, "सच्चे मनुष्य पर बहुत आषीर्वाद होते रहते हैं, परन्तु जो धनी होने में उतावली करता है, वह निर्दोष नहीं ठहरता।"

मैं यह कह कर समाप्त करना चाहूंगा। एक बार मैं मेरे पास्टर सैम सुंदरम को पुरुषवाक्कम चेन्नई से मेरे घर ले जा रहा था जो १५ किलोमीटर की दूरी पर था। मेरे पास केवल रु. ३.२० पैसे थे। जब टैक्सी एगमोर पहुंची तो मीटर में ३.२० पैसे दिखाए। शायद, आधा किलोमीटर की दूरी पर होगा। क्या मैं अपने प्रिय पास्टर से कहूं कि वह गाड़ी से उतर जाए और हमारे घर पर पैदल चल कर जाएं। मैं रो रहा था और अपने हृदय में प्रार्थना कर रहा था। कार तेज़ी से दौड़ रही थी। लेकिन आश्चर्य यह है कि मीटर ने ३:२० पैसे पर काम करना बंद कर दिया था। घर पहुंचने तक वह वही रकम दिखा रहा था! ड्राइवर ने मीटर की ओर देखा और वह अचंभित था कि वह कैसे केवल रु ३:२० पैसे दिखा रहा था जबकि कार इतनी लंबी दूरी पर दौड़ कर चली थी। मैंने ड्राइवर से कहा, "मीटर ने एगमोर में ही काम करना बंद कर दिया था। मुझे बताना जो भी कीमत होगी मैं दे दूंगा। लेकिन आज मेरे पास केवल रु ३ २० पैसे हैं।" मैंने मेरी घड़ी निकाली और ड्राइवर को देते हुए कहा, "मैं चेन्नई में ही रहता हूं। जब मैं अगली बार तुम्हें मिलूंगा तो मैं पैसा दे दूंगा और मेरी घड़ी ले लूंगा।" मैंने उससे पूछा कि उसका पूरा भाड़ा क्या होगा।

टैक्सी ड्राइवर ने मेरी घड़ी नहीं ली। उसने केवल मुझसे पूछा, "आप मसीही हैं?" उसने पानी मांगा, पिया और रु. ३.२० पैसे न लेते हुए ही वह वहां से चल पड़ा। मैं अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करता था इसलिए उसने मेरे साथ यह चमत्कार किया। कुछ वर्षों के बाद, यह टैक्सी ड्राइवर मेरे घर पर आया। उस समय उसने मेरे घर के सामने एक नई सुंदर अंबेसेडर कार देखी। उसे आश्चर्य हुआ उसने मुझे पूछा, "जब आपके पास इतनी अच्छी कार है, तो आप क्यों मेरी टैक्सी में सफर कर रहे थे?" मैंने उसे कहा, उस समय मैं गरीब व्यक्ति था। उस समय मेरे पास तीन रुपए २० पैसे के अलावा और कुछ भी नहीं था। अब मेरे परमेश्वर ने मुझे आशीष दी है और मुझे उठाया है।

विश्वासयोग्य व्यक्ति को भरपूर आशीष मिलेगी। मैं तो टैक्सी का भी भाड़ा नहीं दे सकता था लेकिन मेरे प्रभु परमेश्वर ने मुझे एक नई कार का मालिक बनाया है। बाइबल कहती है, "इसलिए मैं तेरे जीवन के लिए लोगों को दूंगा।" परमेश्वर कहता है, "तू मेरी दृष्टि में अनमोल था इसलिए मैंने तुझे प्रतिष्ठित ठहराया है।"

परमेश्वर आपके पास कई अच्छे लोगों को भेजेगा। लोग आपसे आपके स्वास्थ्य के बारे में और खुशी के बारे में पूछेंगे। आपके हाथों के परिश्रम से आप कई लोगों को खिलाएंगे। आपके मुंह के शब्दों से आप कई लोगों को सांत्वना देंगे। जिस प्रकार सेवकों की आंखें अपने स्वामी के मुख की ओर अपेक्षा से देखती हैं उसी तरह कई लोग आपके चेहरे की ओर देखेंगे। परमेश्वर आपको सिर बनाएगा, पूंछ नहीं। वह आपको अपमानित नहीं होने देगा लेकिन आपको ऊंचा उठाएगा। वह आपके लिए लोगों को देगा। इसका कारण यह है क्योंकि मैं जब जवान था तब मैंने अपने आप को पवित्र रखा। परमेश्वर ने अब मुझे आशीष दी है।

परमेश्वर ने आपको पहले से ठहराया है और बुलाया है। उसने आपको चुना है यह दिखाने के लिए कि आप राजघराने से हैं।

जून २२, १९७१ में जब मैं चेन्नई शहर की फर्श पर बैठा था तो मुझे भूख लगी। सारे दुकान बंद थे और दो पुलिस वाले वहां पर आए और उन्होंने कहा, "उठो और मेरे साथ आओ।" वे नहीं जानते थे कि मैं राजघराने का हूं। उन्होंने मुझसे पूछा, "रात के २:०० बजे क्यों बैठे हो?" मैंने जवाब दिया, "यहां पर मेरा कोई नहीं है। लेकिन परमेश्वर मुझे यहां ले आया है।"

एक पुलिस वाले ने कहा, "उठो और पुलिस स्टेशन चलो। दूसरे पुलिस वाले ने कहा, "रुको, जब मैं इसके चेहरे को देखता हूं तो मुझे लगता है कि बहुत अच्छे परिवार से है। यह चोर या ड्रग एडिक्ट नहीं लगता। उसे छोड़ दो।" उन्होंने मुझे अच्छी गवाही देते हुए छोड़ दिया।

तुम मेरे अनमोल बेटे हो। तुम मेरी अनमोल बेटी हो, प्रभु कहता है। मैं तुम्हें असंख्य लोग दूंगा। संसार के लोग आपके अच्छे और बुरे समय में आपकी सहायता करेंगे। वे आपका अभिवादन करेंगे और आपकी स्तुति करेंगे। परमेश्वर का वचन कहता है, मत डर, मैंने तुझे छुड़ाया है। तुझे नाम लेकर बुलाया है। तू मेरा है। हमको उड़ाऊ पुत्र के समान नहीं बनना है। "मैं राजघराने का हूं" ये शब्द उसे बहुत विलंब से समझ में आए। इसी समय संवेदनशील बनें। आप राजघराने के हैं। बाइबल कहती है, "परंतु तुम एक चुना हुआ वंष, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिए जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तति और प्रार्थना निवेदन

१६ फरवरी २०२१ से १८ मार्च २०२१ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

फरवरी १६ : परमेश्वर ने रविवार की सभाओं को आशीषित किया।

फरवरी २० : परमेश्वर ने विश्वासियों के साथ हमारे मुख्य गिरजाघर और शाखा कलीसिया को आशीषित किया।

फरवरी २१ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में महिलाओं की सभा को आशीषित किया।

फरवरी २२ : अपनी प्रार्थना के द्वारा और पैसों से हमारी सहायता करने वाले लोगों के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

फरवरी २३ : परमेश्वर ने १७ भाषाओं में प्रकाशित हमारे सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे छापखाने में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

फरवरी २४ : परमेश्वर ने मणिपूरी भाषा में हाल ही में एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका प्रकाशित करने में सहायता की।

फरवरी २५ : चार अन्य भाषाओं में एको ऑफ हिज़ कॉल के विस्तार के हमारे दर्शन के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी २६ : हमारे सहायक सम्पादकों और उनके परिवार सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

फरवरी २७ : और कुछ भाषाओं में **एको ऑफ हिज़ कॉल** के विस्तार के हमारे दर्शन के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

फरवरी २८ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में हमारी पुरुषों की सभा को आशीषित किया।

मार्च १ : पिछले महीने में **एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाइयों की सारी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मार्च २ : हमें अपने मिशन क्षेत्रों से अच्छे समाचार मिलते हैं

मार्च ३ : हमारा प्रभु हमारे वरिष्ठ पासबान एस सॅम सेल्वाराज और उनके परिवार की दुष्ट शक्तियों से रक्षा करता है।

प्रार्थना विषय

मार्च ४ : परमेश्वर इस माह एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों के लिए पर्याप्त धनराशि प्रदान करें।

मार्च ५ : प्रार्थना करें कि संसार के सारे देशों से कोरोना वायरस दूर हो।

मार्च ६ : कोरोना के कारण जिन लोगों ने अपने प्रिय जनों को खो दिया उनके दुखी परिवारों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ७ : हम अपने अंग्रेजी सहायक संपादक भाई पॉल राज की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करना जारी रखें।

मार्च ८ : मिशन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ९ : इस संसार के सभी आत्मिक अगुवों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १० : स्त्रियों और बच्चों के विरोध में होने वाले हिंसाचार के निर्मूलन के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ११ : हम मणिपुरी भाषा के सहायक संपादक रेव्ह. डॉ. ऋषिकांत सोरोखैबम के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १२ : परमेश्वर हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाइयों में और समर्पित सेवकों को लाए।

मार्च १३ : सभी मसीही संस्थाओं के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १४ : परमेश्वर हमारे समन्वयको को और पासवानों को नया बल प्रदान करे।

मार्च १५ : हम अपने प्रार्थना सहभागियों शुल्क सहभागियों विश्वास के सहभागियों आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १६ : हमारी सेवकाइयों की आर्थिक जरूरतों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १७ : परमेश्वर ने कोविड १९ के दौरान एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों की सारी गतिविधियों को आशीषित किया।

मार्च १८ : परमेश्वर हमारे पास्टर एस सॅम सेल्वराज, उनके परिवार तथा टीम की सारे दुष्ट शक्तियों से रक्षा करें।

...पृष्ठ ४ से आगे...

करो।" (१ पतरस २:६)। आप विशेष हैं। परमेश्वर अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा कि वे आपकी रक्षा करें।

हमारा परमेश्वर अपने आंखों की पुतली के समान आपका ध्यान रखता है। इस बात का ध्यान रखिएगा कि आपके पैरों को ठोकर न लगे। वह आपकी सारी ज़रूरतों को पूरा करेगा। यदि आज आप किसी बात से भयभीत है तो मनुष्य के शब्दों को न सुनें। संसार आपको डराएगा। परमेश्वर क्या कहता है उस पर ध्यान दें, "मत डर। मैंने तुझे छुड़ाया है, मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है। तू मेरा है।"

आप अपना हाथ अपने सीने पर रख कर कहे मैं प्रभु यीशु का हूं। वह आपको अपने आंख की पुतली के समान रक्षा करेगा। जब आप चलेंगे तब वह आपकी रक्षा करेगा। वह आपके जीवन की सारी जरूरतों को पूरा करेगा, आपको कई लोग देगा।

जब हम १६ भाषाओं में अपनी सेवकाई कर रहे थे तब परमेश्वर ने मुझसे कहा, तुम्हें दूसरी भाषा बोलने वाले लोगों की से के बीच सेवा करना है पुष्पा मैं नहीं जानता था कि वह कौन सी भाषा है। मणिपुर के एक पासवान मेरे पास आए और उन्होंने मुझसे कहा, हम मणिपुरी भाषा में आपके मासिक प्रकाशित करने के लिए तैयार है। आप कृपया मुझे ऐसे का ऐसा करने की अनुमति दीजिए। ईश्वर ने आश्चर्यजनक रूप से मणिपुरी भाषा में एको अहफ हिज कहल प्रकाशित करने में हमारी सहायता की। परमेश्वर अब समर्थ के साथ मणिपुर में भी काम कर रहा है।

परमेश्वर का वचन इसी प्रकार काम करता है। वह कभी व्यर्थ नहीं होगा। आपके जीवन के लिए मैं आपको लोगों को दूंगा। जी हां मेरे प्रिय! प्रभु के प्रति आप के समर्पण के बदले में, परमेश्वर आपको ऐसे लोग देगा जो विभिन्न भाषाएं बोलते हैं और जो विभिन्न संस्कृतियों से आते हैं। प्रभु ने हमसे यही प्रतिज्ञा की है।

आप परमेश्वर के लोग हैं। आपने उसे अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया है। आप उसके बच्चे हैं। आपने उसकी दया और प्रेम प्राप्त किया है। जब आप अपनी माता के गर्भ में थे तब उसने आपको चुन लिया। वह कुछ सामर्थी काम करने हेतु आपका उपयोग करने वाला है। जब तू जल में से होकर जाए मैं तेरे तेरे संग संग रहूंगा और जब तू नदियों में हो कर चले तब वे तुझे डुबा न सकेगी, जब तू आग में चले तब तुझे आच न लगेगी और उसकी लौ तुझे जला न सकेगी। तुम मेरे अनमोल बेटे हो, तुम मेरी अनमोल बेटी हो। परमेश्वर हमारी सेवकाई देखकर प्रसन्न होता है। परमेश्वर आपकी ओर देखकर यही कहता है, 'मैरी दृष्टि में तू अनमोल और प्रतिष्ठित ठहरा है। तुम मेरे अनमोल बेटे हो, तुम मेरी अनमोल बेटी हो।"

अपने आप को किसी रीति से कम न समझिए। याद रखें कि आप राजघराने के हैं। जिस प्रकार उस उड़ाऊ पुत्र को "मैं राजघराने का हूं" इन शब्दों का अर्थ समझ गया, समझ गया, तब वह अपने माता पिता के पास उचित पश्चाताप करते हुए लौट गया, आपको भी आज पश्चाताप करना चाहिए। कृपया समझें कि यीशु का लहू हमारे अंदर दौड़ रहा है। आप इस लहू के गढ़ की सुरक्षा में आए हैं। कोई हानि आपके निकट नहीं आएगी। आपके जीवन में अच्छी बातें घटित होगी। आप दूसरों को उधार देंगे आपको उधार ना लेना पड़ेगा। धन्यवाद। परमेश्वर जो कहता है वही होगा। "इसलिए परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो, जिससे वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए" (१ पतरस ५:६)।

फिल्ड रिपोर्ट

सबसे पहले हम(पंजाब का मराड़ू परिवार) आपको हमारे उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के पवित्र और सामर्थी नाम में नए वर्ष २०२१ की सौहार्दपूर्ण बधाई देता है।

मुझे आपका ईमेल पाकर और उसमें आशीष के प्रोत्साहन के वचन पढ़कर व्यक्तिगत तौर पर बड़ी प्रसन्नता हुई और आशीष प्राप्त हुई। ये वचन हमें प्रभु यीशु मसीह में और उसके पवित्र वचन में और दृढ़ होने के लिए सचमुच प्रेरित करते हैं।

हम दोनों (मैं और मेरी पत्नी नीलम कौर मराड़ू) आप को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता महसूस करते हैं कि दिसंबर २०२० के महीने में प्रभु यीशु मसीह ने नए लोगों के मध्य परमेश्वर के राज्य का समाचार सुनाने हेतु हमारा इस्तेमाल किया।

प्रभु परमेश्वर ने अत्यंत ठंडे मौसम में/जाड़े की ठंड में हमारे पंजाब राज्य के विभिन्न स्थानों में १४ प्रार्थना सभाओं में परमेश्वर के पवित्र वचन का प्रचार करने में हमारी सहायता की। सारी स्तुति और महिमा उसके यीशु पवित्र नाम को मिले।

वैसे ही हम प्रभु परमेश्वर और हमारे स्वर्गीय पिता को धन्यवाद देते हैं और उसकी स्तुति करते हैं जो हमें हमारी सारी विपत्तियों में सांत्वना प्रदान करता है कि हम उन लोगों को सांत्वना दे सकें जो किसी मुश्किल में हैं (२ कुरि. १:३-४) और हमारी सहायता करता है कि हम प्रतिदिन विजय में चलें।

हम आपके लिए, आपके परिवार के लिए और प्रभु की सेवा के लिए जो आप सन १९६९ से ईमानदारी के साथ कर रहे हैं, लगातार प्रार्थना करते हैं। हमें यकीन है कि हमारा प्रभु परमेश्वर प्रभु यीशु मसीह के नाम में आपकी सारी जरूरतों को पूरा करेगा। उसके राज्य में कोई कमी नहीं है। हमें उस पर और उसके पवित्र वचन पर पूरा भरोसा है। वह असंभव को संभव में बदलने की पूरी योग्यता रखता है, उसके लिए कोई भी बात मुश्किल या असंभव नहीं है।

रेव्ह शमशेर सिंह मराड़ू, पंजाब
पा. एस. सैम सेल्वराज
98412 71858/98410 71858

सारी धार्मिकता को पूरा करने के लिए!

टैबेरियस कैसर के राज्य के १५ पंद्रहवे वर्ष, या हमारी वर्तमान तिथि प्रणाली के अनुसार सन् ३० में, परमेश्वर का वचन जकर्याह और इलीशिबा के पुत्र के पास आया (लूका ३:१-१३)। फिर वह पापों से पश्चाताप और बपतिस्मे का प्रचार करने लगा। उसका नाम यूहन्ना था। उसे बपतिस्मा देने वाला भी कहा जाता था। यरदन नदी के आसपास के क्षेत्र के कई लोग उसके पास आए और उसके वचनों पर वे ध्यान देने लगे। और उन्होंने अपने पापों से पश्चाताप किया। पश्चाताप में पिछले पापों से ईश्वरीय दुख महसूस करना (२ कुरि ७:१०) और धर्मी जीवन बिताने हेतु अपने आप में बदलाव लाने का संकल्प होता है (प्रे काम ३:१९, २६:२०)। पश्चाताप करने के बाद वे अपने पापों को कबूल करते थे, और यूहन्ना उन्हें नदी में बपतिस्मा देता था (मत्ती ३:५ -६)। 'बपतिस्मा' यह शब्द पानी में पूरी रीति से डुबाए जाने का उल्लेख करता है।

उस समय यीशु गलील से यरदन नदी के किनारे पर यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने आया। परन्तु यूहन्ना यह कहकर उसे रोकने लगा कि मुझे आपके हाथ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और आप मेरे पास आए हैं? यीशु ने उसको यह उत्तर दिया, "अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें इसी रीति से सब ध ार्मिकता को पूरा करना उचित है।" तब यूहन्ना ने उसकी बात मान ली। (मत्ती ३:१३-१५)।

यीशु का उद्देश्य था मसीह के लिए मार्ग तैयार करना, जो जगत का आत्मिक उद्धारकर्ता था (लूका ७:२७ और मलाकी ३:१)।यीशु के विशेष गुण को पहचान कर, यूहन्ना ने महसूस किया कि उचित होगा कि यीशु उसे बपतिस्मा दे। यूहन्ना के लिए यीशु की विनती जैसा होना था उसके विपरीत थी। परंतु यीशु परमेश्वर की इच्छा जानता था। वह जानता था कि उसकी सार्वजनिक सेवा के आरंभ में बपतिस्मा लेना ज़रूरी है (लूका ३:२१-२३)। और उसने यूहन्ना को कारण बताया : सारी धार्मिकता पूरी करने के लिए। इसलिए यूहन्ना ने यीशु को यरदन नदी के पानी में डुबाया (मरकुस १:९-१०)।

परंतु उन शब्दों से यीशु निश्चित रूप से क्या कहना चाहता था? उसकी सार्वजनिक सेवकाई के आरंभ में उसके बपतिस्मे के साथ यीशु ने अपनी सारी धार्मिकता के पूरे करने में कम से कम दो महत्वपूर्ण बातें हासिल की।

यीशु मसीह ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया

जब उचित समय आया, तब परमेश्वर ने अपने पुत्र को मूसा की व्यवस्था के अनुसार जीवन बिताने वाले यहूदियों को बचाने के लिए इस संसार में भेजा, बल्कि सारे लोगों को बचाने के लिए भेजा (यूहन्ना ३:१६; रोमियों ४:७; ५:२; गलातियों ४:४; इब्रानियों २:९-१०)। जगत के पापों को उठा लेने के लिए निष्पाप बलिदान के रूप में यीशु परमेश्वर की योजना पूरी करने वाला था (मत्ती ५:१७; यूहन्ना ६:३८-४०; गलातियों १:४; १ पतरस२:२४; १ यूहन्ना ३:५)। ऐसा करने के लिए, उसे व्यवस्था के अनुसार और परमेश्वर के प्रति आज्ञा पालन में सिद्ध होना पड़ता था (इब्रानियों ५:८-९; १ पतरस १:१८-१९)। यीशु ने कबूल किया कि यह बात है (यूहन्ना ४:३४; १४:३१; १५:१०; इब्रानियों १०:७)। उसने परमेश्वर के काम किए (यूहन्ना ९:४) और उन्हीं शब्दों को कहा जो पिता चाहता था कि वह कहे (यूहन्ना १२:४८-५०)। वह मृत्यु तक आज्ञाकारी रहा (फिलिप्पियों २:८) और उसके पुनरूत्थान और परमेश्वर के अनुग्रह के साथ उसकी आज्ञाकारिता ने (प्रे. काम १:२२; रोमियों ३:२४-२५; ६:५-११; इफिसियों २:५-८; १ पतरस १:३-४) सब पुरुष और स्त्रियों के लिएउद्धार उपलब्ध कराया (रोमियों ५:१९-२१; २ कुरिन्थियों ५:१५; गलातियों ३:७-८; इब्रानियों ५:८-९; तीतुस २:११)।

यीशु विश्वासयोग्य और निष्पाप था और है (इब्रानियों २:१७; ३:२; ४:१५; १ पतरस २:२२)। निष्पाप होने के कारण उसे अपने बपतिस्मे से पहले पश्चाताप करने या पापों का अंगीकार करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। लेकिन उसका बपतिस्मा आवश्यक था। हम कई बातों से उसका महत्व समझते हैं। उसने सारी धार्मिकता पूरी करने हेतु उसका आग्रह किया। वैसे ही यीशु के बपतिस्मे के बाद यूहन्ना बपतिस्मा करने वाला यह गवाही दे सका कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है : "दूसरे दिन उसने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, "देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत का पाप उठा ले जाता है। यह वही है, जिसके विषय में मैंने कहा था कि एक पुरुष मेरे पीछे आता है, जो मुझसे श्रेष्ठ है, क्योंकि वह मुझसे पहले था। और मैं तो उसे पहचानता न था, परन्तु इसलिए मैं जल से बपतिस्मा देता हुआ आया कि वह इस्राएल पर प्रगट हो जाए।" और यूहन्ना ने यह गवाही दी, "मैंने आत्मा को कबूतर की नाई आकाश से उतरते देखा है, और वह उस पर ठहर गया। और मैं तो उसे पहचानता नहीं था, परन्तु जिसने मुझे जल से बपतिस्मा देने को भेजा, उसी ने मुझ से कहा, कि जिस पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते देखे, वही पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देने वाला है। और मैंने देखा, और गवाही दी है कि यही परमेश्वर का पुत्र है" (यूहन्ना १:२९-३४)।

फिर भी अत्यंत महत्वपूर्ण बात यह है कि हम उसके बपतिस्मे के महत्व को तब देखते हैं जब पवित्र आत्मा उस पर उतर आया और जब परमेश्वर पिता ने यह गवाही दी कि वह यीशु से प्रसन्न है : "जब यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, तब देखो, उसके लिए आकाश खुल गया, और उसने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर के समान उतरते और अपने ऊपर आते देखा, और देखो, यह आकाशवाणी हुई, यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूं" (मत्ती ३:१६-१७; देखें मरकुस १:१०-११; लूका ३:२१-२२)।

यीशु ने अपनी आज्ञाकारिता के द्वारा सारी धार्मिकता पूरी की। फिर भी उसके बपतिस्मे के द्वारा एक और बात पूरी हुई जिसमें सारी धार्मिकता पूरी हुई।

यीशु मसीह ने हमें उदाहरण दिया

उसके बपतिस्मे के द्वारा यीशु ने हमें उदाहरण दिया जिसका हमें अनुसरण करना चाहिए। सबसे पहले हमें यह समझना है कि मसीह न केवल सारी मानवजाति के लिए मर गया बल्कि वह मृत्यु से फिर जी भी उठा (मत्ती १६:२१; २८:५-७; प्रे. काम १:३; २:२३-२४, ३३१-३२)। अपने पुनरूत्थान के बाद पिता के दाहिने हाथ पर स्थान पाने के लिए यीशु स्वर्ग पर चढ़ गया (मरकुस १६:६; यूहन्ना २०:१७; प्रे. काम २:३२-३६; ७:५५; रोमियों ८:३४; इफिसियों १:२०; इब्रानियों ८:१; १२:२; १ पतरस ३:२२)। इस प्रकार यीशु मर गया, जी उठा और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर जा बैठा।

यह अनंत जीवन के लिए आत्मिक पुनरूत्थान का आरंभ था। यीशु मसीह मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा है। (कुलुस्सियों १:१८; प्रकाशितवाक्य १:५)। वह पुनरूत्थान का पहिला फल है (१ कुरिन्थियों १५:१६-२३), और वह हम सभों को पुनरूत्थान देता है (प्रे. काम २६:२३)। रोमियों ६:३-१४ और १ पतरस ३:१८-२१ में उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान और हमारे पापमय जीवन की मृत्यु और हमारे आत्मिक पुनरुत्थान के बीच संबंध देखते हैं। हमारा पुराना पाप में व्यक्तित्व पानी में दफनाया गया है, और उस पानी में से बाहर निकल आना नए धार्मिकता पूर्ण जीवन के लिए हमारा पुनरुत्थान है "और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेष्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिसने उसको मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे। और उसने तुम्हें भी, जो अपने अपराधों, और अपने शरीर की खतनारहित दशा में मुर्दा थे, उसके साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया," (कुलुस्सियों २:१२-१३; देखें ३:१-४; इब्रानियों ६:१४-१५; १०:१६-२५; तीतुस २:११-१४)।

मसीह ने बपतिस्मे का उल्लेख तब किया जब उसने कहा कि व्यक्ति को पानी और आत्मा से नया जन्म पाना जरूरी है (यूहन्ना ३:३-५)। उद्धार पाने के लिए हमें बपतिस्मा में पानी के द्वारा नए आत्मिक जीवन के लिए नया जन्म पाना जरूरी है, और तब हमें हमारे अंदर वास करने हेतु पवित्र आत्मा प्राप्त होता है (प्रे. काम २:३८; १ कुरिन्थियों ६:१६)। बपतिस्मा उसकी मृत्यु, दफनाए जाने और पुनरुत्थान की समानता है।

इसमें हम एक तरह से उसकी भौतिक, सार्वजनिक सेवकाई का विचार कर सकते हैं : वह बपतिस्मा के द्वारा एक तरह की मृत्यु, दफनाए जाने और पुनरुत्थान में आरंभ हुई और उसका अंत उसकी वास्तविक मृत्यु दफनाए जाने और पुनरुत्थान में हुआ। उसके बाद वह स्वर्ग पर चढ़ गया। वह अग्रणी है जो हमें स्वर्ग का रास्ता दिखाता है (इब्रानियों ६:२०), और उसने हमारे लिए मार्ग समर्पित किया (इब्रानियों १०:१६-२०), वह हमारे विश्वास और अनंतकालिक उद्धार का कर्ता है (इब्रानियों ५:६; १२:२)।

यदि हम उद्धार पाना चाहते हैं तो हमें उस मार्ग का अनुसरण करना होगा। हमें उसके उदाहरण को अपनाना होगा। यीशु मसीह निष्पाप था इसलिए उसे पश्चाताप करने की या पापों को अंगीकार करने की ज़रूरत नहीं थी। उसे केवल सारी ध ार्मिकता को पूरा करने हेतु बपतिस्मा पाने की ज़रूरत थी। परंतु हमें विश्वास करना है (यूहन्ना १:१२; ८:२४; प्रे. काम १६:३१; १ कुरिन्थियों १:२१; गलातियों ३:२२; इब्रानियों १०:३६; ११:६)। हमें अपने पापों से पश्चाताप करना है (लूका १३:५; २ कुरिन्थियों ७:१०; २ पतरस ३:६)। हमें यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार करना है (मत्ती १०:३२; रोमियों १०:६-१०)। और हमें उसी तरह बपतिस्मा पाने की ज़रूरत है जिस तरह यीशु मसीह आज्ञा देता है (मत्ती २८:१८-२०; मरकुस १६:१६; प्रे. काम २:३८-४२; ८:१२; १०:४८; १६:३३; २२:१६; रोमियों ६:३३; १ कुरिन्थियों १२:१३; गलातियों ३:२६-२६)।बपतिस्मा पाने के बाद, हमें अंतिम पुनरुत्थान की आशा में भक्तिमानतापूर्ण जीवन बिताने के लिए प्रयास करना है, जब हम मसीह के साथ स्वर्ग जाएंगे (यूहन्ना ५:२८-२६; १ कुरिन्थियों १५:४२-५८; गलातियों ५:५; फिलिप्पियों १:२०; ३:६-२१; कुलुस्सियों १:५,२७; १ थिस्सलुनीकियों ४:१३-१८; इब्रानियों ३:६)।

उसकी सार्वजनिक सेवकाई के आरंभ में यीशु मसीह ने सारी धार्मिकता को पूरा करने के लिए बपतिस्मा पाया। ऐसा करने के द्वारा उसने अपने परमेश्वर पिता की आज्ञा का पालन किया और हमें अनुसरण करने के लिए उदाहरण दिया। पृथ्वी पर उसकी सेवकाई के अंत में उसने सारी धार्मिकता पूरी कर चुका था। यदि हम हमारे लिए उसके बलिदान के सारे लाभ पाना चाहते हैं तो हमें उसके उदाहरण को अपनाना होगा और आज्ञा का पालन करना होगा (१ पतरस १:१४)।

"जो मुझ से, 'हे प्रभु, हे प्रभु' कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है" (मत्ती ७:२१)।

"इसलिए जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहां मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है" (कुलुस्सियों ३:१)।

कर में छूट (TAX EXEMPTION)

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर भेज दें।

Account Name	**: ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	**: 1023 2923 805**
Bank Name	**: STATE BANK OF INDIA**
Branch	**: TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	**: SBIN 0000249**

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती २४:१५

प्रभु यीशु मसीह को बोलना

बपतिस्मा टैंक की कहानी

मेरे प्रारंभिक दिनों में मुझे विभिन्न संस्कृतियों के और भाषाओं के उद्धार न पाए हुए लोगों को विभिन्न भाषाओं में सुसमाचार के साहित्य देकर, मेरी व्यक्तिगत मुलाकातों के द्वारा, कलीसिया की गतिविधियों के द्वारा, समाज विकास कार्यक्रम आदि के द्वारा परिश्रम करने की बहुत आदत थी। प्रभु ने लोगों के जीवनों को छूने में और विशाल संख्या में नई आत्माओं को बपतिस्मा देने में बड़े अनुग्रह से मेरी सहायता की। परंतु मेरे पास बपतिस्मा सभा चलाने के लिए टैंक नहीं था।

इसलिए मैं बपतिस्मा देने के लिए एक निजी तरन ताल का इस्तेमाल करता था। प्रभु यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण करने के बाद, बपतिस्मा लेने के लिए आगे आने वाली नई आत्माओं की संख्या बढ़ती जा रही थी इसलिए मालिकों ने मुझे उनके पूल या हौदों का इस्तेमाल करने से रोका। इसलिए मैं कुछ पैसा देकर दूसरी कलीसिया से अनुमति मांग कर बपतिस्मा सभा के लिए बपतिस्मा टैंक का उपयोग करने लगा।

प्रभु के पास आने वाले लोगों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही थी, इसलिए स्थानीय कलीसिया भी मुझे उपद्रव का कारण समझने लगी थी। अंत में मैं एक कलीसिया के वरिष्ठ पासवान से मिला, और मैंने उनसे विनती की कि उनके बपतिस्मा टैंक का उपयोग करने की वह मुझे अनुमति दे। उन्होंने कुछ समय के लिए मुझे अनुमति दी। एक सुबह उन्होंने मुझे बुलाकर कहा, भाई सैम, मुझे खुशी है कि अनपहुंचे हुए स्थानों में प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार सुनाने के लिए और हमारे टैंक में बपतिस्मा देने के लिए परमेश्वर आपका इस्तेमाल कर रहा है। परंतु मैं देख रहा हूं कि आप विभिन्न पृष्ठभूमियों के विभिन्न लोगों को ला रहे हैं और उन्हें बपतिस्मा दे रहे हैं। मैं खतरा मोल लेना नहीं चाहता इसलिए कृपया मुझे माफ करो, इसके बाद मैं आपको अनुमति नहीं दे सकता।

मैं यह सुनकर सचमुच बहुत दुखी हुआ क्योंकि मैं कुछ समय तक बपतिस्मा सभा नहीं ले सका। परंतु नई आत्माएं बपतिस्मा के लिए मुझे आग्रह करने लगी। एक दिन १९८० में बड़े बोझ के साथ मैंने प्रभु से प्रार्थना की और उसके बाद मैं अपने कमरे से बाहर आना नहीं चाहता था और मैं अपनी प्रार्थना चटाई पर उल्टा सीधा पड़ा था क्योंकि मैं जानता था कि मेरे पास प्रार्थना करने के लिए शब्द नहीं हैं। कुछ समय के बाद प्रभु के आत्मा ने मुझ से भेंट की और मुझे प्रोत्साहन दिया कि मैं बड़ी बातों के लिए प्रभु से प्रार्थना करूं। इसके अनुसार, मैं हमारी अपनी इमारत के लिए प्रार्थना करने लगा जिसमें गिरजाघर होगा, सुविधाजनक बपतिस्मा टैंक, दफ्तर, छापखाना घर आदि होंगे। प्रभु ने मुझ से अत्यंत स्पष्ट रूप से बात की कि मैं अपना सारा पैसा और मेरे साथ उपलब्ध सारी जायदाद देने के लिए तैयार हो जाऊं। जैसा प्रभु ने मुझसे कहा था मैंने बिना किसी हिचकिचाहट और दूसरा कोई विचार किए अपना सब कुछ परमेश्वर की सेवकाई के लिए दे दिया। भले ही मेरा अपना व्यक्तिगत योगदान कम था, फिर भी परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए वर्तमान जगह हासिल करने के लिए आशीषित किया। ज़मीन हासिल करने के बाद मेरी प्राथमिकता बपतिस्मा टैंक बनाना थी (जैसा आज हमारे पास है)। हमारा परमेश्वर कैसा अद्भुत है!

प्रिय मित्र, परमेश्वर ने आपको भी एक विशिष्ट उद्देश्य से चुना है। अपने आप को और उस परमेश्वर को जिसने आप को चुना है, कम न समझें। बिना किसी स्वार्थ और दुष्ट विचारों के यदि आप पिता के निकट जाने वाले एक बालक के समान उसके पास जाएंगे और अपनी समस्याओं और मुश्किलों को उसके चरणों में उंड़ेलेंगे तो आप अपने जीवन में परमेश्वर का अद्भुत और सामर्थी हाथ देखेंगे। इसलिए सोचने में अपना समय व्यतीत न करें। "इस कारण अपनी अपनी बुद्धि की कमर बान्ध ाकर, और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी आषा रखो, जो यीषु मसीह के प्रगट होने के समय तुम्हें मिलनेवाला है। और आज्ञाकारी बालकों के समान अपनी अज्ञानता के समय की पुरानी अभिलाषाओं के सदृष न बनो, परंतु जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चालचलन में पवित्र बनो" (१ पतरस १:१३-१५)।

प्रेमपूर्ण निवेदन

आप सभी जानते हैं कि हमारे पास कई प्रकार की ज़रूरतें हैं जैसे कि कर्मचारियों के वेतन, कागज़ की खरीदारी का खर्च और यात्रा खर्च आदि। सामान्य तौर पर हम दूसरों को अपनी ज़रूरतों के लिए नहीं कहते। लेकिन हम उन लोगों से बिनती करते हैं जो सचमुच इस सेवकाई से प्रेम करते हैं कि वे अपने दान मनिऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, फोन पे, नेफ्ट या अन्य माध्यमों से भेजकर इस सेवकाई में हमारी सहायता कर सकते हैं। प्रभु आपको अवश्य आशीष देगा। विस्तृत जानकारी के लिए कॉल करें: + **98410 71852**

- सम्पादक, एको ऑफ हिज़ कॉल

RNI NO. 63656/95, Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/21-23 WPP NO. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

ECHO OF HIS CALL

Monthly magazines in 16 languages, Bible Colleges, Postal Courses, Church Planting, Village English High School, Gospel Printing Press, Crusades, Seminars, Social Services, etc.

Annual Subscription : Rs. 100/- Life Subscription : Rs. 2000/-

The multifarious activities of **Echo of His Call Ministry** is supported by the free-will offerings and donations of the God's Children like you. You may support **Echo of His Call** and its activities as the Lord leads you. We need your help to send forth the Gospel to the unreached people and plant Churches.

If you would like to receive **ECHO OF HIS CALL** magazines regularly, please write to us. Whenever you change your postal or e-mail addresses, please do inform us your old and new addresses.

Echo of His Call is available in 16 languages in our websites also. You can read it by going into the site as well as downloading it and get blessed.

Your letters, prayer requests and your financial helps (by D.D., Cheque, M.O. etc.) to **ECHO OF HIS CALL** may be sent to the address below.

Please send your **Land Phone / Mobile Phone Numbers and E.mail addresses** for updation.

ECHO OF HIS CALL

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk,
Chennai - 600 005, India
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858
E-mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS ON ONLINE ALSO

PLEASE PRAY FOR OUR MINISTRIES AT THE HEADQUARTERS

1. Prayer Service : 24 hours
2. **BIBLECOR -** Bible Correspondence Courses : English, Tamil & Hindi
3. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines : English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikaans.
4. Nehemiah Bible Colleges (Two Centres)
5. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
6. Great Commission Partners (Network of Pastors)
7. Training Programmes
8. Crusades
9. Literature Distribution and Follow Up
10. Gospel Printing Press - Publications
11. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
12. Sunday Schools : 8.30 a.m. & 4.00 p.m. Sunday
13. **Tamil Services : 5.30 a.m. , 7.00 a.m. & 10.00 a.m. Sunday**
14. **Malayalam Service : 2.00 p.m. Sunday**
15. **Telugu Service : 4.00 p.m. Sunday**
16. **Hindi Service : 5.00 p.m. Sunday**
17. **English & Tamil Service : 6.00 p.m. Sunday**
18. Pastors' Counselling : 4.00 p.m. Sunday
19. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
20. Mid-week Bible study : 6.30 p.m. Wednesday
21. Men's Prayer : 7.00 p.m. Friday
22. Workers' Meeting : 6.00 p.m. Saturday
23. House Meetings : 6.30 p.m. Monday & Tuesday
24. Special Holy Communion : 5.30 a.m. 1st day of each month
25. Ministers Review Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
26. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
27. Night Prayer : 9.30 p.m. Second Friday
28. Fasting Prayer : 9:30 a.m. Third Saturday
29. Holy Communion : Second Sunday Services
30. Morning Devotion : 5.30 a.m. daily
31. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
32. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

The details of our Bank Accounts are given below. Please inform us the details of your remittances.

Bank	Branch	Name	IFSC Code No.	Account Number
1. STATE BANK OF INDIA	Triplicane, Chennai -5	S. Sam Selva Raj	SBIN 0000249	102329 34679
2. ICICI BANK	Anna Salai, Chennai -2	Echo of His Call	ICIC 0006038	6038 05022319

RNI NO. 63656/95
Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/21-23
WPP NO. TN/PMG(CCR) / WPP- 222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th FEBRUARY 2021
If un-delivered please return to:

ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957,
Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**